[This question paper contains 2 printed pages.]
यह प्रश्न 2 मुद्रित पृष्ठों का है।

Your Roll No.....
आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 15230

L

Name of the Course	:	ITEP
Unique Paper Code	:	2313100013
Name of the Paper	:	Gender in Indian History (c. 1500–1950)
Semester	:	VI, 2025-2026

Duration: 3 Hours
समयावधि: 3 घंटे

Maximum Marks: 90
पूर्णांक: 90

Important Instructions/ महत्वपूर्ण निर्देश:

- Write your Roll No. on the top immediately on the receipt of the question paper
  इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए
- Answers may be written either in Hindi or English, but the same medium should be followed throughout the paper.
  उत्तर हिंदी या अंग्रेजी में लिखे जा सकते हैं, लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए।

Attempt any Five questions. All questions carry equal marks.
कोई पाँच प्रश्न हल करें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Q1. Explain the nature of gender relations within royal households in India between the sixteenth and eighteenth centuries. How did power, family ties (kinship), and the organization of domestic space influence these relations?
सोलहवीं से अठारहवीं शताब्दी के बीच भारत के शाही परिवारों में लैंगिक संबंधों की प्रकृति को स्पष्ट कीजिए। इन संबंधों पर सत्ता, पारिवारिक संबंध (कुटुंब) तथा घरेलू स्थान की व्यवस्था का क्या प्रभाव पड़ा?

Q2. Discuss the evolution of ideals of masculinity among elite groups in early modern India. How were these ideals linked to political authority and social status?
प्रारंभिक आधुनिक भारत में अभिजात वर्ग के बीच पुरुषत्व की अवधारणाओं में आए परिवर्तन पर चर्चा कीजिए। ये आदर्श राजनीतिक सत्ता और सामाजिक प्रतिष्ठा से कैसे जुड़े थे?

Q3. Critically evaluate the relationship between 19th-century social reform movements and debates surrounding women's roles and rights.
19वीं शताब्दी के सामाजिक सुधार आंदोलनों और महिलाओं की भूमिका एवं अधिकारों से जुड़े विमर्शों के बीच संबंध का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Q4. Examine how gender issues intersected with caste, class, and community identities in 19th and early 20th century India.
19वीं और प्रारंभिक 20वीं शताब्दी के भारत में जाति, वर्ग और समुदाय के संदर्भ में लैंगिक प्रश्न किस प्रकार जुड़े हुए थे?

P.T.O.

Q5. What opportunities were available to women for earning livelihoods during the colonial period? To what extent did these opportunities contribute to women's empowerment?
औपनिवेशिक काल में महिलाओं के लिए आजीविका अर्जित करने के कौन-कौन से अवसर उपलब्ध थे? ये अवसर उनके सशक्तिकरण में किस सीमा तक सहायक सिद्ध हुए?

Q6. Discuss the role of print culture in shaping women's identities in colonial India. Was it more a tool of empowerment or social regulation?
औपनिवेशिक भारत में मुद्रण संस्कृति ने महिलाओं की पहचान को किस प्रकार आकार दिया? क्या यह सशक्तिकरण का साधन था या सामाजिक नियंत्रण का?

Q7. In what ways were women subjected to the most severe forms of exploitation during the Partition of India? To what extent can it be argued that women's experiences mirrored the broader history of Partition, particularly in the border regions? Substantiate your answer with relevant historical evidence.
भारत का विभाजन के दौरान महिलाओं को किन-किन प्रकार के सबसे गंभीर शोषण का सामना करना पड़ा? किस हद तक यह कहा जा सकता है कि महिलाओं के अनुभव, विशेषकर सीमा क्षेत्रों में, विभाजन के व्यापक इतिहास के समानांतर थे? अपने उत्तर को उपयुक्त ऐतिहासिक प्रमाणों के साथ स्पष्ट कीजिए।

Q8. Short Notes (Any Two):
संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (कोई दो):

(a) Gulbadan Begum
गुलबदन बेगम

(b) Jahanara Begum
जहानारा बेगम

(c) Savitribai Phule
सावित्रीबाई फुले

(d) Ishwar Chand Vidyasagar
ईश्वर चंद्र विद्यासागर